सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 249 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 19 अक्टूबर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

दुनिया में किसी भी व्यक्ति को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। बिना गुरू के कोई भी दूसरे किनारे तक नहीं जा सकता है।
-श्री गुरूनानक देव

विद्यार्थियों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगार... 7 | निकाय चुनाव: पश्चिमी यूपी में... 3 | अयोध्या में होने वाले दीपोत्सव में... 2

72 घंटे में लखनऊ में तीन बलात्कार, गाजियाबाद में भी रेप! हो क्या रहा है यूपी में

» सवालों के घेरे में यूपी की कानून व्यवस्था, जिम्मेदार नहीं दे पा रहे जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की कानून व्यवस्था लड़खड़ा गई है। बीते 72 घंटे में लखनऊ में तीन बलात्कार तो वहीं गाजियाबाद में निर्भया जैसी दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटना आज सामने आई है। इन घटनाओं के बाद से यूपी की कानून व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं आखिर जिम्मेदार कर क्या रहे हैं। दरिंदगी जैसे मामलों में अफसर और अधिकारी सही से जवाब तक नहीं दे पा रहे हैं। विपक्ष ने भाजपा व योगी सरकार को घेरते हुए कहा कि इस सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं है, बस सरकार ढिंढोरा पीटती रहती हैं कि हमारी सरकार में बेटियां सुरक्षित हैं।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष ने गाजियाबाद पुलिस को जारी किया नोटिस

दरअसल, दिल्ली से सटे गाजियाबाद में एक युवती के साथ निर्भया जैसी दरिंदगी की गई। भाई के घर जन्मदिन पार्टी मनाने आई 38 वर्षीय महिला के साथ पांच लोगों ने दरिंदगी की सभी हदें पार कर दी। दिल्ली लौटने के क्रम में महिला को अगवा कर पांच लोगों ने दो दिन तक जंगल में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता के प्राइवेट पार्ट में राड डाले जाने की बात भी कही जा रही है। पीड़िता से हैवानियत के बाद आरोपितों ने उसे बोरी में भरकर नंदग्राम इलाके के आश्रम रोड पर फेंक दिया। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है। इस मामले में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने गाजियाबाद पुलिस को नोटिस जारी किया है और जवाब मांगा है। कहा कि पीड़िता को न्याय मिलना चाहिए।

लखनऊ गैंगरेप कांड का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में गिरतार

राजधानी लखनऊ में 72 घंटे के भीतर दुष्कर्म की तीन वारदातें दर्ज की गयी। इसमें जहां गोमती नगर क्षेत्र में एक आश्रम में साध्वियों द्वारा 52 वर्षीय एक महिला के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। महिला ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जहां उसे मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है और चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं दो दिन पहले विभूति खंड में एक ऑटो चालक और उसके सहयोगी द्वारा 18 वर्षीय एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना सामने आई थी। मामले के मुख्य आरोपी बहराइच निवासी इमरान उर्फ मुस्तफा को पुलिस ने मुठभेड़ में उसके पैर में गोली मारी है। अस्पताल में भर्ती है। जबकि सहयोगी आकाश को पहले ही गिरतार किया जा चुका है। वहीं एक अन्य मामले में पुलिस की तफीश जारी है।

"भाजपा राज में कानून व्यवस्था फेल है। जब से इनकी सरकार आई है, बेटियां भी महफूज़ नहीं है। नैतिकता नाम की चीज नहीं है भाजपा के पास।
सुनील साजन, सपा नेता

"बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा करने में राज्य सरकार पूरी तरह नाकाम है। अंकिता भडारी मामले को देश भूला नहीं है। स्मृति ईरानी जवाब दें।
शुचि विश्वास, प्रवता कांग्रेस

"योगीराज में महिलाएं महफूज नहीं है। हर दिन बलात्कार और यौन हिंसा के मामले दर्ज हो रहे हैं। नाबालिग बच्चियां भी इस क्रूरता की शिकार हो रही हैं। ऐसी सरकार को सा में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।
नीलम यादव, प्रदेश अध्यक्ष, महिला विग आम आदमी पार्टी

"दुष्कर्म के मामलों में पुलिस की कार्रवाई जारी है। कई आरोपी पकड़े जा चुके हैं। छानबीन चल रही है। दोषी कोई भी हो, बशा नहीं जाएगा।
प्राची सिंह, डीसीपी पूर्वी क्षेत्र

"भाजपा सरकार में बेटियां व महिलाएं सुरक्षित नहीं है। कहां गया इनका बेटी बचाओ अभियान। इनको सिर्फ चुनावी भाषण आता है। सुरक्षा देने के नाम पर सरकार फेल है।
रोहित अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ आरएलडी

24 साल बाद गद्दी से हटा गांधी परिवार खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष

मल्लिकार्जुन खड़गे को मिले 7,897 वोट थरूर ने मानी हार, दी खड़गे को बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव का नतीजा आ गया है, जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे ने जीत हासिल की है। उन्हें कुल 7,897 वोट मिले हैं। इसके अलावा शशि थरूर को भी 1,000 से ज्यादा वोट मिले हैं। थरूर ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। खड़गे को बधाई भी दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे को लेकर माना जा रहा था कि उन्हें पार्टी हाईकमान की ओर से भी समर्थन मिला है।

यही वजह है कि ज्यादातर अन्य नेताओं का समर्थन भी उन्हें ही मिला है। कर्नाटक से 9 बार विधायक रहने और कई बार सांसद रहने वाले खड़गे को गांधी परिवार के वफादार नेताओं में शुमार किया जाता है। खड़गे का कांग्रेस अध्यक्ष चुना जाना पार्टी में बड़े बदलाव की शुरुआत माना जा रहा है। उनके अध्यक्ष बनने के साथ ही गांधी परिवार बैकसीट पर पहुंच गया है, जो लगातार 24 सालों से कांग्रेस अध्यक्ष था। 1998 से अब तक सोनिया गांधी ही कांग्रेस अध्यक्ष थीं, जबकि बीच में दो साल के लिए 2017 से 2019 के दौरान राहुल गांधी ने यह पद संभाला था। लोकसभा चुनाव में हार के बाद राहुल गांधी ने पद से इस्तीफा दे दिया था। यही नहीं, तभी उन्होंने साफ कर दिया था कि अब गांधी परिवार से कोई अध्यक्ष नहीं होगा। अंत तक वह इस जिद पर अड़े रहे और फिर चुनाव हुआ, जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे को चुना गया है।

अब्बास को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत, यूपी सरकार को नोटिस

» आगामी आदेश तक अब्बास के खिलाफ नहीं होगी कोई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट ने आर्म्स एक्ट के केस में अंतरिम राहत दे दी है। साथ ही यूपी सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह आगामी आदेश तक अब्बास के खिलाफ कोई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई न करे। अब्बास अंसारी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अब्बास अंसारी मऊ से सुभासपा के विधायक हैं।

गत दिवस एमपी-एमएलए कोर्ट ने उनकी संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया है। अब्बास अंसारी के खिलाफ यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मऊ में केस दर्ज किया गया था। दरअसल, अंसारी पर आरोप है कि वर्ष 2012 में लखनऊ से जारी किए गए शस्त्र लाइसेंस को बगैर सूचना दिए ही उन्होंने अपने दिल्ली के पते पर ट्रांसफर करा दिया था।

किसानों के हित में काम कर रही प्रदेश सरकार : योगी

» सूखे या अतिवृष्टि से फसल बर्बाद होने पर सहायता के लिए समयावधि तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं के चलते फसलें बर्बाद होने पर सहायता के लिए समयावधि तय कर किसानों को बड़ी राहत दी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत यदि फसलों की क्षति दैवी आपदा से होती है तो बीमा कवर प्रदान किया जाता है। इसमें सबसे पहले मध्यावस्था क्षति के तहत बीमित राशि दी जाती है। मध्यावस्था फसल की शुरुआत से लेकर फसल कटाई के 15 दिन पूर्व तक मानी जाती है। इस दौरान प्रतिकूल मौसम की वजह से फसल की अनुमानित उपज की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी की स्थिति में राजस्व व कृषि विभाग के कर्मचारियों द्वारा नुकसान की सूचना 3 दिनों के भीतर डीएम को देनी होती है।

सूचना मिलने के 7 कार्य दिवस में डीएम या उप कृषि निदेशक कार्यालय से प्रभावित ग्राम पंचायत के संबंध में सूचना लिखित रूप से बीमा कंपनी को उपलब्ध कराएंगे। जिला स्तर पर राजस्व व कृषि विभाग एवं बीमा कंपनियों की गठित टीम आपदा के 15 दिनों में संयुक्त सर्वे

कर क्षति का आकलन करेगी। इसके बाद सूचना प्राप्त होने के 30 दिन में ग्राम पंचायत में बीमित किसान को तात्कालिक सहायता के रूप में क्षतिपूर्ति प्रदान की जाएगी। तात्कालिक सहायता को मौसम के अंत में फसल कटाई प्रयोगों के आधार पर फसल की आकलित कुल देय क्षतिपूर्ति की राशि में समायोजित किया जाएगा। प्रदेश सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि किसानों के हित में हम काम कर रहे हैं और किसानों के हितों का ध्यान रखना सरकार का कर्तव्य है। ऐसे में फसल बर्बाद नहीं होने देंगे, किसानों की एक-एक पाई का हिसाब देंगे।

स्थानीय आपदाओं में 15 दिन में क्षतिपूर्ति

ओलावृष्टि, जलभराव (फसल धान को छोड़कर), भूस्खलन, बादल फटना, बिजली गिरने से फसलों में लगने वाली आग जैसी स्थानीय आपदाओं से फसलों की क्षति की स्थिति में किसानों को 72 घंटे में व्यक्तिगत दावा कंपनी को प्रस्तुत करना होगा। दावे में किसानों को ग्राम पंचायत, प्रभावित खेत का खसरा नंबर, फसल व प्रभावित क्षेत्र का विवरण देना होगा। सूचना मिलने के 48 घंटे में बीमा कंपनी को सर्वेयर की नियुक्ति करनी होगी। अगले 10 कार्य दिवस में सर्वेयर डीएम या उप कृषि निदेशक द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर नामित राजस्व व कृषि विभाग के अधिकारी व संबंधित किसान की उपस्थिति में क्षति का आकलन करेगा। इसके बाद बीमा कंपनी 15 कार्य दिवस के अंदर आपदा की स्थिति तक फसल की उत्पादन लागत में हुए व्यय के अनुरूप बीमित किसान को क्षतिपूर्ति का भुगतान सुनिश्चित करेगी।

झिझक छोड़ भाजपा से जुड़ें मुसलमान : केशव मौर्य

» उपमुख्यमंत्री बोले- पसमांदा मुसलमान एक कदम भाजपा की ओर बढ़ाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के नारे को परवान चढ़ाने की कोशिश में जुटी भाजपा की नजर पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों पर है। वह उन्हें यह समझाने में जुटी है कि विपक्षी दलों ने सिर्फ वोट लेकर अब तक ठगा और भाजपा बिना भेदभाव उनका विकास कर रही है। राजधानी में स्थित विश्वेश्वरैया सभागार में अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच द्वारा आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुसलमान अब झिझक छोड़ भाजपा से जुड़ें। अभी कुछ बूथों पर चोरी छिपे वोट दिया है, अब आगे खुलकर भाजपा को वोट दें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पसमांदा मुसलमान एक कदम भाजपा की ओर बढ़ाएंगे तो वह दस कदम उनकी ओर बढ़ाएंगी।

विपक्षी दलों को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा व बसपा आदि विपक्षी दलों ने मुसलमानों को जहरील बोल बोलकर व दंगा कराकर भाजपा से दूर किया। पिछले साढ़े पांच साल से कोई दंगा नहीं हुआ और आगे भी नहीं होगा। उन्होंने पसमांदा मुसलमानों को सावधान किया कि इस कार्यक्रम में जुटी भारी भीड़ को देखकर विपक्षी दल आपको धिक्कारने आपके घर आएंगे। आप डरियेगा नहीं। उनसे सवाल पूछिएगा कि जब आपकी सरकार थी तब गैस सिलेंडर मुफ्त क्यों नहीं दिया, शौचालय व घर क्यों नहीं दिया और आयुष्मान कार्ड देकर पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा क्यों नहीं दी। वह भाग जाएंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि जिस दिन पसमांदा मुसलमान भाजपा को अपना पूरा वोट देने लगा तो विपक्षी दल कटोरा लेकर भीख मांगने की स्थिति में होंगे।

कर्मचारियों को दिवाली से पहले मिलेगा बोनस, शासनादेश जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के राज्य कर्मचारियों और शिक्षकों को जुलाई 2022 से चार फीसदी बढ़े महंगाई भत्ता (डीए) और अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों को बोनस देने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फैसले के बाद वित्त विभाग ने इससे संबंधित शासनादेश जारी कर दिया है। इससे दीपावली से पहले बोनस मिलने का रास्ता साफ हो गया है। महंगाई भत्ता वृद्धि का लाभ अक्टूबर के वेतन के साथ देने का आदेश दिया गया है लेकिन अभी इस आशय का कोई आदेश नहीं है कि अक्टूबर का वेतन कर्मचारियों को दीपावली से पूर्व ही दे दिया जाए।

राज्य कर्मचारी, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित व पूर्णकालिक कर्मचारी, कार्य प्रभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमान में

कार्यरत पदधारकों को चार फीसदी वृद्धि के साथ अब 38 फीसदी डीए मिलेगा। एक जुलाई से 30 सितंबर तक की डीए की धनराशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। एक अक्टूबर से इसका भुगतान वेतन के साथ नकद किया जाएगा। एनपीएस से आच्छादित कर्मचारियों की एक जुलाई से 30 सितंबर तक की अवशेष की धनराशि 10 फीसदी के बराबर कर्मचारियों के पेंशन खाते में जमा की जाएगी। राज्य सरकार भी उक्त अवशेष राशि के 14 फीसदी के बराबर कर्मचारियों के पेंशन खाते में जमा करेगी।

छह साल बाद नसीमुद्दीन समेत पांच पर जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के तत्कालीन प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह के एक बयान के विरोध में बिना अनुमति विधान सभा के सामने जमावड़ा लगाने के मामले में एमपी-एमएलए की विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने बसपा के तत्कालीन पदाधिकारी नसीमुद्दीन सिद्दीकी समेत पांच अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। विशेष एसीजेएम अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने अभियुक्त नसीमुद्दीन के साथ ही बसपा के तत्कालीन पदाधिकारी राम अचल राजभर, मेवालाल गौतम, नौशाद अली व

अतर सिंह राव को विधि विरुद्ध जमाव व सदोष अवरोध का दोषी करार देते हुए दो हजार 500 रुपए के जुर्माने से दंडित किया है। अभियोजन अधिकारी विजय यादव व सोनू सिंह राठौर के मुताबिक 21 जुलाई, 2016 को इस मामले की एफआईआर सचिवालय चौकी प्रभारी विजय कुमार पांडेय ने थाना हजरतगंज में दर्ज कराई थी। उस रोज बसपा के करीब चार-पांच हजार कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों द्वारा बिना अनुमति हजरतगंज चौराहे से विधानसभा तक मार्ग अवरुद्ध कर दिया गया। इससे आने-जाने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यह लोग भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह द्वारा पूर्व में दिए गए एक बयान के विरोध में नारेबाजी कर रहे थे।

शोपियां में मजदूरों की हत्या कायराना हरकत : असीम

» आतंकियों पर मोदी सरकार लगातार कर रही कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कश्मीर के शोपियां में देर रात आतंकी हमले में कन्नौज के दो मजदूरों की हत्या पर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री पूर्व आईपीएस अधिकारी असीम अरुण ने शोक जताया है। कन्नौज सदर से विधायक असीम अरुण ने निर्दोष मजदूरों की हत्या को आतंकियों की बेहद ही कायराना हरकत बताया है। मंत्री असीम अरुण ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से बात कर दोनों की पार्थिव देह को जल्द जहाज से भेजने का अनुरोध भी किया है।

इस दौरान उन्होंने एसपी शोपियां से की बात की, जिन्होंने असीम अरुण को

जानकारी दी है कि दो में से एक आरोपित आतंकी पकड़ा गया है। जम्मू कश्मीर के शोपियां में आतंकवादियों के कन्नौज के दो मजदूरों की हत्या पर कन्नौज सदर विधायक असीम अरुण ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से फोन पर बात कर उनको ढाढ़स बंधाया। कश्मीर की इस घटना की सूचना मिलने के बाद से ही मंत्री असीम अरुण लगातार जम्मू कश्मीर पुलिस के सम्पर्क में हो गए। जम्मू पुलिस के अधिकारियों ने उनको आश्वस्त किया है कि इस कायरतापूर्ण घटना को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। मोदी सरकार आतंकियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

वक्फ बोर्ड को मनमाने अधिकार की संवैधानिकता को चुनौती

» एटार्नी जनरल व महाधिवक्ता को नोटिस जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वक्फ कानून के तहत वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की शक्ति की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर भारत के एटार्नी जनरल व प्रदेश के महाधिवक्ता व वक्फ बोर्ड को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने याचिका की सुनवाई की तिथि 15 दिसंबर नियत की है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल तथा न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की खंडपीठ ने आशीष तिवारी की जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है।

याचिका पर याची अधिवक्ता हरिशंकर जैन व भारत सरकार के उप

सालिसिटर जनरल ज्ञान प्रकाश व एनसी गुप्ता ने पक्ष रखा। याची अधिवक्ता का कहना है कि वक्फ को दिए गए मनमाने अधिकार विभेदकारी व संविधान के विपरीत हैं। ऐसे अधिकार ट्रस्ट, मठ, अखाड़ा, सोसायटी आदि को नहीं दिए गए हैं। वक्फ बोर्ड की शक्ति संविधान के अनुच्छेद 14,15, 25, 27 व 300 का उल्लंघन करती है। याची का यह भी कहना है कि वक्फ एक्ट हिंदू या गैर इस्लामिक समुदाय की संपत्ति पर लागू नहीं होता।

निकाय चुनाव : पश्चिमी यूपी में कुनबा बढ़ाने में जुटी भाजपा, सपा-रालोद में सेंधमारी की तैयारी

» बेहतर प्रदर्शन के लिए चल रही दांव-पेंच

» विपक्ष के बड़े नेताओं पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ प्रदेश की सत्ता में लगातार दूसरी बार लौटी भाजपा की नजर अब निकाय चुनाव पर टिक गयी है। पश्चिमी यूपी में वह अपना कुनबा बढ़ाने की तैयारी में जुट गयी है। इसके लिए वह सपा-रालोद में बड़ी सेंधमारी की तैयारी कर रही है। संभावना है कि निकाय चुनाव से पहले इन दलों के कई दिग्गज नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

लगातार प्रयास के बावजूद भाजपा पिछले कई चुनाव से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपेक्षा के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। 2017 के नगर निकाय चुनाव के परिणामों पर गौर करें तो पश्चिम उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद, सहारनपुर और मुरादाबाद नगर निगम में भाजपा ने जीत हासिल की लेकिन मेरठ में हार गई। मेरठ में बसपा की सुनीता वर्मा ने चुनाव जीता और बाद में सपा में शामिल हो गईं। नवंबर- दिसंबर में संभावित निकाय चुनाव से पहले भाजपा पश्चिम उत्तर प्रदेश में रालोद- सपा गठबंधन को बड़ा झटका देने की तैयारी कर रही है। लोक सभा चुनाव से पहले पश्चिम में अपना किला मजबूत करने में जुटी भाजपा की नजर रालोद व सपा के कई बड़े नेताओं पर है। पार्षद भी शामिल हो सकते है। पिछली बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 58 नगर पालिका सीटों में से भाजपा के खाते में मात्र 18 सीटें आईं। 13 सीटों पर सपा, 12 पर बसपा और नौ सीटों पर अन्य ने जीत हासिल की। नगर पंचायतों की 81 सीटों में से मात्र 14 सीटों पर ही भाजपा अपना खाता खोल पाई। 15-15 सीटें सपा और बसपा ने जीतीं जबकि 33 सीटें अन्य के खाते में गईं। इस बार सपा- रालोद गठबंधन पिछले विधान सभा चुनाव के बाद से मजबूत होकर उभरा है। वहीं, वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम यूपी के 24 जिलों की 126 सीटों में से 100 सीटों पर जीत दर्ज की थी जबकि 2022 के चुनाव में सपा- रालोद गठबंधन ने कड़ी टक्कर देते हुए भाजपा को 85 सीटों पर ही रोक दिया। गठबंधन ने चुनाव में 41 सीटें जीतीं। अकेले रालोद की ही बात करें तो पिछले चुनाव में एक सीट पर सिमटने वाली रालोद ने 2022 में आठ सीटें जीती हैं।

निकाय चुनाव में होगी पहली परीक्षा

गठबंधन ने पूरे प्रदेश में निकाय चुनाव के लिए भाजपा से एक कदम पहले ही अपने पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी थी। हालांकि भाजपा मजबूती से चुनाव तैयारी में लगी है लेकिन गठबंधन के हर कदम पर उसकी नजर है। पश्चिम से प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भूपेंद्र चौधरी और संगठन मंत्री के पद पर धर्मपाल सिंह को जिम्मेदारी देकर भाजपा अपने इरादे पहले ही जता चुकी है। निकाय चुनाव में इनकी भी पहली परीक्षा होगी।

दिवाली के बाद पार्टी बदलेंगे दिग्गज

सूत्रों की मानें तो दीवाली के बाद कई नेता पाला बदल सकते हैं। पश्चिम भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनीवाल ने बताया कि यह संगठन तय करेगा। कई लोगों ने भाजपा में अपनी निष्ठा जताई है। जो साफ नीयत से आना चाहते हैं उनका स्वागत है, लेकिन संगठन के लोग मिलकर यह तय करेंगे कि कौन उपयुक्त है और कौन नहीं। हम निकाय चुनाव मजबूती से लड़ने जा रहे हैं। शर्तों के आधार पर किसी की भी भाजपा में ज्वाइनिंग नहीं होगी।

मुलायम की विरासत को संभालने की चुनौती होगी अखिलेश के सामने

कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ परिवार को जोड़ने की भी जिम्मेदारी

» धरतीपुत्र के रिक्त स्थान को भरने के लिए करनी होगी कड़ी मशक्कत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुलायम सिंह के निधन के साथ ही सैफई का वह पीपल का पेड़ भी धराशायी हो गया, जिसकी छाया में बैठकर कभी वह अपनों से बातचीत किया करते थे। मुलायम पार्टी के लिए वट वृक्ष थे, जिसकी छाया कार्यकर्ताओं के लिए संबल थी, आत्मविश्वास थी, प्रेरणा थी। उनके अंतिम संस्कार के दिन सैफई की सड़कों पर उमड़े लोगों की आंखों से झर झर गिरते आंसू यह बताने को पर्याप्त थे कि मुलायम उनके लिए क्या थे। अब जबकि मुलायम नहीं हैं, उनकी विरासत समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष के रूप में अखिलेश यादव के पास है, तो उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह जनविश्वास हासिल करने की भी है।

मुलायम ने इसे एक दिन में नहीं हासिल किया था। उनके पूरे जीवन को राजनीति के अध्याय के रूप में पढ़ा जा सकता है। सही समय पर सही फैसले लेने का हौसला, फिर चाहे कितना भी कठोर निर्णय क्यों न हो, अपनों के लिए किसी भी हद तक जाने की जिद और विवादों की चिंता किए बगैर आगे बढ़ने की प्रवृत्ति ने उन्हें एक सामान्य पुरुष से धरतीपुत्र बनाया था। इस अध्याय में और भी बहुत कुछ है, जो अखिलेश के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के लिए मार्गदर्शन हो सकता है। वर्ष 2012 के चुनाव में मुलायम ही मुख्य चेहरा थे, जब सपा को पूर्ण बहुमत हासिल हुआ था। सत्ता जाने के बाद अखिलेश ने कई राजनीतिक फैसले लिए जरूर, जिसमें बसपा से गठबंधन कर लोक सभा चुनाव लड़ना भी था। उनके निर्णय की परिपक्वता-अपरिपक्वता पर सवाल खड़े हो सकते हैं, लेकिन वर्तमान में समाजवादी पार्टी प्रदेश में विपक्षी राजनीति की मुख्य धुरी है तो इसका श्रेय अखिलेश को अवश्य जाता है। हालांकि, लक्ष्य अभी भी दूर है और इसे हासिल करने की कोशिशों से ही आगे उनका मूल्यांकन किया जाएगा। यह मूल्यांकन मुलायम के आभामंडल को दृष्टि में रखते हुए ही होगा।

मुलायम का राजनीतिक कद बड़ा था

मुलायम सिंह के राजनीतिक अध्याय में और भी संदेश हैं। राजनीति की संघर्ष यात्रा में अवसर जरूर मिलते हैं और इसे गंवाया नहीं जा सकता। वर्ष 1989 में तत्कालीन प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह का कद बड़ा था और उनका फैसला था कि अजित सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और मुलायम सिंह उप मुख्यमंत्री बनें। लेकिन मुलायम जानते थे कि इस फैसले को चुनौती देने का रास्ता ही उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले जाएगा और ले भी गया। उनके मुख्यमंत्री होने ने ही प्रदेश में कांग्रेस मुक्त सरकार की नींव रख दी। राज्य में गैर कांग्रेसी सरकारों का दौर यहीं से शुरू हुआ। मुलायम छोटे कद के जरूर थे, लेकिन उनकी राजनीतिक दृष्टि बड़ी थी।

समाजवादी पार्टी प्रदेश में विपक्षी राजनीति की मुख्य धुरी

राम मंदिर आंदोलन के साथ भाजपा का प्रदेश में प्रभाव बढ़ा तो वे जानते थे कि जातियों का चक्रव्यूह बनाकर ही इसका मुकाबला किया जा सकता है और उन्होंने मुस्लिम-यादव का मजबूत समीकरण खड़ा किया और तीन बार मुख्यमंत्री बने। इसके लिए मुल्ला मुलायम कहलाने में भी परहेज न किया। मुलायम ने अपना राजनीतिक वर्चस्व खुद बनाया था। उनके न रहने के बाद यह मील का पत्थर अखिलेश यादव को पार करना है। वस्तुतः अखिलेश की असली राजनीतिक यात्रा अब शुरू होनी है। उन्हें राजनीति विरासत में मिली है और 2012 में सत्ता भी। यह सवाल प्रासंगिक हो सकता है कि आज विपक्ष की राजनीति में मुलायम क्या करते? उनका संघर्ष पथ इस बात का साक्षी है कि वह संगठन को और मजबूती देते और विरोध की धार को गांव-गिरांव तक पहुंचाते। अब जबकि सपा को मुलायम के बिना ही आगे बढ़ना है तो सवाल समाजवादी विचारधारा का भी है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

लावारिस कुत्तों के जानलेवा हमले

नोएडा में लोटस बुलेवर्ड सोसायटी में लावारिस कुत्तों ने आठ माह के मासूम को इस कदर नोंच डाला कि उसकी मौत हो गयी जबकि उसी सोसायटी में योग कर रही एक महिला को काट लिया। ये घटनाएं अकेले एक सोसाइटी में घटी हैं जबकि प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत तमाम जिलों में रोजाना सैकड़ों लोग इनके हमलों का शिकार हो रहे हैं। इसकी पुष्टि जिला अस्पतालों में रोजाना एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने के लिए लगी भीड़ भी करती है। सवाल यह है कि तमाम शिकायतों के बावजूद नगर निगम और संबंधित विभाग लावारिस कुत्तों की धर-पकड़ क्यों नहीं करते हैं? सरकार के आदेश के बावजूद इनका बंध्याकरण क्यों नहीं किया जा रहा है? लावारिस कुत्तों की समस्या के स्थायी समाधान का हल आज तक क्यों नहीं खोजा जा सका है? हमलों से हुई मौतों का जिम्मेदार कौन है? क्या लोगों को सुरक्षा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

प्रदेश में लावारिस कुत्तों के हमले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अकेले लखनऊ की तमाम कॉलोनियों में इनका आतंक है। हालत यह है कि रोजाना दर्जनों लोग इनके शिकार हो रहे हैं। इसमें बच्चे से लेकर बूढ़े तक शामिल हैं। कई इलाकों में इनके हमलों के कारण बच्चे पार्क में खेल तक नहीं पाते हैं। आलम यह है कि अकेले राजधानी के बलरामपुर अस्पताल में रोजाना सौ से डेढ़ सौ लोग इनके हमलों का शिकार होकर यहां इलाज को पहुंचते हैं। इसमें कई गंभीर रूप से जख्मी होते हैं। इसमें भी बच्चों की संख्या अधिक होती है। हैरानी की बात यह है कि तमाम शिकायतों के बावजूद नगर निगम हाथ पर हाथ धरे बैठा है। लावारिस कुत्तों की धर-पकड़ के लिए कॉलोनियों में कोई अभियान तक नहीं चलाया जाता है। इनकी संख्या को कम करने के लिए बंध्याकरण की प्रक्रिया तक नहीं अपनायी जाती है। जब प्रदेश की राजधानी में यह हाल है तो दूसरे जिलों के हालात का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। हां, जब कोई बड़ी घटना घटती है तो नगर निगम अचानक सक्रिय होता है और कुछ दिन लावारिस कुत्तों की धर-पकड़ का अभियान चलाया जाता है। बाद में इस पूरी प्रक्रिया को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। अगर शिकायतों का समय पर संज्ञान लिया जाए तो ऐसी घटनाएं कम हो सकती हैं। सच यह है कि लखनऊ समेत अधिकांश जिलों में लावारिस कुत्तों का आतंक है और वे लोगों पर रोज हमले कर रहे हैं। सरकार यदि लोगों को इनके जानलेवा हमलों से बचाना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभाग को जवाबदेह बनाना होगा बल्कि लापरवाह कर्मियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। इसके अलावा इनसे निपटने के लिए व्यवहारिक योजना भी बनानी होगी।

नोएडा में लोटस बुलेवर्ड सोसायटी में लावारिस कुत्तों ने आठ माह के मासूम को इस कदर नोंच डाला कि उसकी मौत हो गयी जबकि उसी सोसायटी में योग कर रही एक महिला को काट लिया। ये घटनाएं अकेले एक सोसाइटी में घटी हैं जबकि प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत तमाम जिलों में रोजाना सैकड़ों लोग इनके हमलों का शिकार हो रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महंगाई पर और नियंत्रण की जरूरत

जयंतीलाल भंडारी

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 16 अक्टूबर को वांशिगटन में कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक वजहों से निर्मित आर्थिक व वित्तीय चुनौतियों के बीच भारत की विवेकपूर्ण आर्थिक रणनीति से भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है और महंगाई भी बहुत कुछ नियंत्रित है। बीते सप्ताह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी महंगाई के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर, 2022 में खुदरा मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर 7.41 फीसदी हो गयी, जो अगस्त में सात फीसदी थी। यह इजाफा मुख्य रूप से खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से हुआ है। थोक महंगाई दर सितंबर में 10.7 फीसदी दर्ज की गयी है। अगस्त में यह आंकड़ा 12.41 फीसदी था। बाजार में महंगाई का खास संबंध खुदरा मुद्रास्फीति से होता है। अतएव अब खुदरा मुद्रास्फीति भी कम हो सकती है। उल्लेखनीय है कि तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती के निर्णय से 12 अक्टूबर को इसकी कीमत 99 डॉलर प्रति बैरल के आसपास हो गयी। इससे भी महंगाई बढ़ी है।

महंगाई का एक प्रमुख कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना भी है। एक डॉलर की कीमत 12 अक्टूबर को 82.30 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गयी। इससे न केवल कच्चे तेल की महंगी कीमत चुकानी पड़ रही है बल्कि कारोबारियों के लिए कच्चा माल भी महंगा हो गया है। अमेरिका, ब्रिटेन व अन्य यूरोपीय देशों के साथ विभिन्न विकसित और विकासशील देशों में महंगाई हाहाकार मचा रही है। ऐसे में भारत में महंगाई बहुत कुछ नियंत्रित कही जा सकती है, लेकिन त्योहार के इन दिनों में महंगाई आम आदमी के लिए चिंता का कारण बन गयी है। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में महंगाई में कुछ कमी आयी है लेकिन अब भी महंगाई दर सहन क्षमता के ऊपर है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2022-23 में इसके 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है। अगले वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति नियंत्रण में आ जायेगी और इसका स्तर 5.2 फीसदी तक रहने की उम्मीद है।

इस समय जब रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन-ताइवान तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अवरोधों और ओपेक प्लस देशों द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कमी से लगभग सभी देशों में महंगाई दर दो-तीन दशकों में रिकॉर्ड स्तर पर है, भारत में महंगाई नियंत्रण का अधिक उपयोग ने भी महंगाई पर थोड़ा नियंत्रण कर रखा है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में तेल के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी पिछले वर्ष की इसी अवधि के 2.02 फीसदी से बढ़कर 12.9 फीसदी हो गयी है जबकि अमेरिका की हिस्सेदारी 9.2 से घटकर 5.4 फीसदी रह गयी है। नये आंकड़ों के मुताबिक इस समय भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक और उपभोक्ता देश है। भारत को इराक द्वारा भी कच्चे तेल में बड़ी छूट की पेशकश की जा रही है। पेट्रोल और डीजल में एथेनॉल का मिश्रण बढ़ाकर भी ईंधन की कीमतों में कमी

के लिए रिजर्व बैंक नरम मौद्रिक नीति से पीछे हट कर नीतिगत दरों में वृद्धि की रणनीति पर आगे बढ़ा है। रिजर्व बैंक की नीति व सरकारी प्रयासों से महंगाई पर कुछ नियंत्रण हुआ है। स्पष्ट दिख रहा है कि त्योहारी सीजन के बावजूद खाद्य वस्तुओं की महंगाई काबू में है जबकि खुले बाजार में सरकारी गोदामों से 80 लाख टन से अधिक खाद्यान्न की बिक्री से गेहूं व चावल के मूल्य में गिरावट का रुख है। आम तौर पर सितंबर में आलू व प्याज की कीमतें सातवें आसमान पर पहुंच जाती थीं पर इस बार सरकारी तैयारियों के तहत बफर स्टॉक बनाये जाने से इनकी पर्याप्त उपलब्धता है। रूस से कच्चे तेल का सस्ता आयात, रिजर्व बैंक के महंगाई नियंत्रण के रणनीतिक उपाय, पर्याप्त खाद्यान्न भंडार एवं कमजोर वर्ग को खाद्यान्न की निशुल्क आपूर्ति तथा पेट्रोल में एथेनॉल लाने का सफल प्रयास हुआ है। वहीं महंगाई को घटाने में देश में अच्छी कृषि पैदावार, पर्याप्त खाद्यान्न भंडार, गेहूं तथा चावल के निर्यात पर उपयुक्त नियंत्रण की नीति और आम आदमी तक खाद्यान्न की निशुल्क आपूर्ति भी प्रभावी रही हैं लेकिन आम आदमी को राहत देने के लिए महंगाई को छह फीसदी के स्तर पर लाने के लिए कई और कारगर प्रयासों की जरूरत है। इसके लिए देश में कच्चे तेल के अधिक उत्पादन व इसके विकल्पों पर ध्यान देना होगा। इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के साथ अन्य हाईब्रिड वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहन देना होगा। सरकार के द्वारा ई-कारों की तरह हाईब्रिड कारों पर भी जीएसटी घटाया जाना लाभप्रद होगा। अभी रेपो रेट में कुछ और वृद्धि कर अर्थव्यवस्था में नकद प्रवाह को कम किया जाना उपयक्त होगा।

बच्चों के प्रति हिंसक व्यवहार से बचें शिक्षक

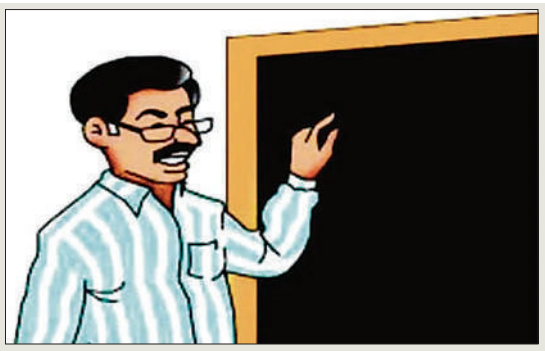

छात्रों के शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश लेने के बाद ये व्यवस्थाएं ही तय करती हैं कि उनके शिक्षक कौन होंगे। उनका दावा है कि उन्होंने ऐसे शिक्षक नियुक्त कर रखे हैं, जो निष्णात हैं ही, यह भी जानते हैं कि उन्हें छात्रों से कैसे पेश आना चाहिए, पर इधर उनके इस दावे को मुंह चिढ़ा कर विचलित करने वाली इतनी खबरें आ रही हैं कि 'दोऊ' नहीं तो कम से कम शिष्यों के 'कूप पड़ंत' के लिए वही जिम्मेदार लगती हैं।

कृष्ण प्रताप सिंह

गुरु और ज्ञान की जितनी महिमा हमारे देश में गायी गयी है, शायद ही किसी और देश में गायी गयी हो। यह महिमागान 'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः, गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म' तक ही सीमित नहीं, बल्कि गुरु के बिना ज्ञान प्राप्ति को असंभव करार देने तक जाता है। संत कबीर ने सीख दी है कि अपने सिर की भेंट देकर भी गुरु से ज्ञान प्राप्त करना चाहिए क्योंकि ऐसा न करने के कारण कितने ही 'भोंदू' संसार-सागर पार नहीं कर पाये। कबीर के अनुसार, 'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट।' फिर भी गुरु व ज्ञान से जुड़ी विडंबनाएं भी हमारे देश में ही सबसे ज्यादा हैं। कबीर के वक्त भी 'जाका गुरु है आन्हरा, चेला खरा निरंध, अंधे को अंधा मिला, दोऊ कूप पड़ंत' वाली स्थिति थी। आज की विडंबनाएं उस वक्त की विडंबनाओं से इस मायने में अलग हैं कि तब शिष्य खुद ही अपने गुरु चुना करते थे। 'दोऊ कूप पड़ंत' की नौबत आये, तो खुद उसके जिम्मेदार होते थे। लेकिन अब समाज व शिक्षा की व्यवस्थाओं ने शिक्षक नामधारी गुरुओं के चुनाव की छात्र नामधारी शिष्यों की सहूलियतें बहुत सीमित कर दी हैं।

छात्रों के शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश लेने के बाद ये व्यवस्थाएं ही तय करती हैं कि उनके शिक्षक कौन होंगे। उनका दावा है कि उन्होंने ऐसे शिक्षक नियुक्त कर रखे हैं, जो निष्णात हैं ही, यह भी जानते हैं कि उन्हें छात्रों से कैसे पेश आना चाहिए, पर इधर उनके इस दावे को मुंह चिढ़ाकर विचलित करने वाली इतनी खबरें आ रही हैं कि 'दोऊ' नहीं तो कम से कम शिष्यों के 'कूप पड़ंत' के लिए वही जिम्मेदार लगती हैं। दोषपूर्ण चयन के कारण ही अनेक छात्र ऐसे शिक्षकों के हवाले हो गये हैं, जिनका न अपनी कुंठाओं पर काबू है, न ही गुस्से पर। विगत कुछ दिनों में ही कई शिक्षक अपने शिष्यों की जान के दुश्मन बने हैं। राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा के एक स्कूल में 12 साल के छात्र की उसके शिक्षक की पिटाई से मौत हो गयी। उस छात्र का कसूर इतना भर था कि उसने होमवर्क नहीं किया था और परीक्षा में कम अंक पाये थे।

उसे पीटने वाले शिक्षक के खिलाफ पहले भी ऐसी शिकायतें आयी थीं, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। उत्तर प्रदेश के औरैया में दसवीं कक्षा के 'पढ़ाई में मन न लगाने वाले' छात्र को भी शिक्षक की पिटाई से जान गंवानी पड़ी थी। राजस्थान में एक सवर्ण शिक्षक ने एक दलित छात्र को मटके से पानी लेने के 'अपराध' में इतनी बेरहमी से पीटा कि उसे लंबे इलाज के बावजूद बचाया नहीं जा सका। ऐसे में यह समझना कठिन नहीं है कि छात्रों के लिए स्कूलों का माहौल कितना त्रासद हो चला है, शिक्षकों से उनके रिश्तों में कितनी फांकें आ गयी हैं और क्यों कई बार छात्रों को स्कूल जाना 'कूप पड़ंत' वाली स्थिति से भी घातक लगता है या क्यों गरीबी जैसे कारण आड़े न आएं, तो भी अनेक छात्र बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। स्कूल चाहे सरकारी हो या निजी, उनका हाल एक जैसा है, जो कई बार यौन हमलों तक भी चला जाता है। शिक्षक कह सकते हैं कि इन प्रताड़नाओं में उनकी कोई सीधी भूमिका नहीं और इनके लिए बड़ी सीमा तक स्कूल प्रबंधन जिम्मेदार हैं लेकिन क्या वे इससे इनकार कर सकते कि वे प्रायः प्रबंधन के कारिंदों की तरह काम करते हैं और अपनी आर्थिक उपलब्धियों के चक्कर में अपने नैतिक कर्तव्यों को नहीं निभाते। छात्रों की योग्यता या सफलता के पैमानों के संकुचित बने रहने को लेकर भी वे कोई आवाज नहीं उठाते हैं? वे नहीं पूछते हैं कि भविष्य संवारने के छात्रों के विकल्प सीमित क्यों होते जा रहे हैं। वे तो यह भी नहीं पूछते कि शिक्षा जैसी सतत चलने वाली प्रक्रिया में कोई नयापन और बेहतरी महसूस नहीं होती। सच पूछिए तो शिक्षकों को इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ता इसीलिए अभी तक इस सामाजिक समझदारी की राह भी कंटकाकीर्ण ही है कि अच्छे शिक्षकों वाले स्कूल ही देश व छात्रों के बेहतर भविष्य की नींव बन सकते हैं क्योंकि घर के बाद वही उनके व्यक्तित्व विकास का सबसे अहम जरिया हैं। ये हालात तब हैं, जब नयी शिक्षा नीति में इस पर जोर दिया गया है कि स्कूलों को पढ़ाई के साथ छात्रों को शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक सुरक्षा भी प्रदान करनी होगी और इसमें लापरवाही बरतने पर उनके प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया जायेगा।

सवाल है कि ऐसे नीति-निर्देश के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों के हाथों छात्रों की जानें जा रही हैं, तो इसका जिम्मेदार कौन है? आखिर इन 'गुरुओं' को यह बताना किसका काम है कि वे अपने छात्रों को ज्ञान देने के लिए हैं, उनकी जान लेने के लिए नहीं। क्या उन व्यवस्थाओं की कोई जिम्मेदारी नहीं है, जिन्होंने छात्रों को ऐसे शिक्षकों के हवाले कर रखा है, जो उन्हें अपनी कुंठा या गुस्से का शिकार बना रहे हैं?

कार्तिक मास बरसती है भगवान विष्णु की विशेष कृपा

कार्तिक मास भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को समर्पित है। इस महीने में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है। कार्तिक मास पुण्य मास है। कथाओं के अनुसार, कार्तिक मास में नियम का पालन करने से एक विधवा महिला देवी रुकमणी हुई थी और उन्हें देवी लक्ष्मी का स्थान प्राप्त हुआ था। कार्तिक मास का शास्त्रों में जो वर्णन है उसका गुणगान ही नहीं किया जा सकता है। इस महीने में भगवान विष्णु मत्स्य रूप में जल में वास करते हैं जबकि उनका वामन अवतार पाताल में निवास करता है। इसलिए गंगा तट पर लोग कल्पवास भी करते हैं। कहते हैं जो कल्पवास करते हैं उन्हें पुनर्जन्म में नहीं फंसते हैं। बता दें कि इस साल कार्तिक मास का आरंभ 10 अक्टूबर से हो रहा है। तो आइए जानते कार्तिक मास में किए जाने वाले सरल उपाय जिन्हें करने से मिलेगी इस माह में भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, यमदेव और पीपल देव के समक्ष दीप जलाने से सभी तरह के संकटों से मुक्ति मिलती है। साथ ही घर में सुख शांति बनी रहती है। इसके अलावा जो लोग नदी में दीप प्रवाहित करते हैं तो उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

नदी में जाकर स्नान करना

स्नान सूर्योदय के पहले स्नान करें नदी और तालाब के पास रहते हैं तो वहां जाकर करें अगर वहां नहीं जा सकते हैं तो घर में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। इस में स्नान करना दूध के सामान स्नान करने के बराबर है।

लक्ष्मी स्त्रोत का पाठ रहेगा उत्तम फलकारी

कार्तिक महीने में लक्ष्मी स्त्रोत, कनकधारा स्त्रोत अथवा विष्णु स्त्रोत का पाठ करना विशेष फलदायी माना गया है। ऐसा करने से देह त्याग के बाद उत्तम लोक में स्थान मिलता है और जब तक धरती पर रहते हैं समृद्धि और सुख प्राप्त होता है। कार्तिक नियमों का पालन करने वालें पुनर्जन्म लेते हैं तो उन्हें उत्तम कुल परिवार में स्थान मिलता है और सुख में जीवन जीते हैं।

तुलसी में दूध मिलाकर दें जल

कार्तिक मास में सुबह शाम तुलसी की जड़ में जल में दूध मिलाकर देना चाहिए और उसके आसपास सफाई करनी चाहिए। सुबह शाम घी का दीपक जलाएं। भगवान विष्णु को जो भी भोग लगाएं उसमें तुलसी का पत्ता जरूर रखें। इसके बिना भगवान विष्णु भोग स्वीकार नहीं करते हैं। साथ ही कार्तिक मास में देवप्रबोधनी एकादशी पर तुलसी विवाह करना भी बहुत उत्तम फलकारी रहता है।

तुलसी की मिट्टी से करें ये उपाय

कार्तिक मास में नियमित रूप से जब भी तुलसी में जल देते हैं या उसकी पूजा करते हैं तो तुलसी की मिट्टी लेकर उसका तिलक करने से मनुष्य के सभी पाप शय हो जाते हैं और विवेक और बुद्धि का विकास होता है।

दान करें अन्न

कार्तिक मास में अन्न और वस्त्र का दान करना अति उत्तम माना जाता है। अगर आप कुछ नहीं कर पाते हैं तो अन्न और वस्त्र का दान जरूर करें ऐसा करने से वह अगले जन्म में गरीब पैदा नहीं होता है और उसे परलोक में भी अन्न और जल की कमी भी नहीं रहती है।

तिल करें अर्पित

कार्तिक मास में नियमित रूप से भगवान विष्णु को तिल अर्पित करने चाहिए। यूं तो सालभर तिल अर्पित करते हैं अच्छा है लेकिन, अगर ऐसा नहीं कर पाता है तो कार्तिक मास और माघ मास में ऐसे करना उत्तम रहता है। ऐसा करने से जाने अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है और सद्गति प्राप्त होती है।

दीपदान करें

इस माह में भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, यमदेव और पीपल देव के समक्ष दीप जलाने से सभी तरह के संकटों से मुक्ति मिलती है। साथ ही घर में सुख शांति बनी रहती है। इसके अलावा जो लोग नदी में दीप प्रवाहित करते हैं तो उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

हंसना मना है

पहला कैदी- तुम्हें पुलिस ने क्यों पकड़ा? दूसरा कैदी- बैंक लूटने के बाद वहीं बैठकर पैसे गिनने लगा तो पुलिस ने पकड़ लिया। पहला कैदी- वहीं पर पैसे गिनने की क्या जरूरत थी? दूसरा कैदी- वहां पर लिखा था कि काउंटर छोड़ने से पहले पैसे गिन लें, बाद में बैंक जिम्मेदार नहीं होगा।

भिखारी- साहब 10 रुपये दे दो कुछ खा लूंगा। साहब: शर्म नहीं आती तुम्हें, सड़क पर खड़े होकर भीख मांगते हो. भिखारी- तो क्या दफ्तर खोल लूं ?

टीचर- संजू एक स्टोरी सुनाओ विद मॉरल संजू- मैंने उसको फोन किया वो सो रही थी.. फिर उसने मुझे फोन किया मैं सो रहा था. मॉरल- जैसी करनी वैसी भरनी.

संता- तू स्कूल क्यों नहीं जाता? बंता- कई बार गया, वो वापस भगा देते हैं। संता- क्यों ? बंता- कहते हैं भाग तेरा क्या काम लड़कियों के स्कूल

चिंटू खूबसूरत लड़की का हाथ पकड़कर बोला...चिंटू- आई लव यू। तुम दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की हो। लड़की- अच्छा, पर तुम्हारे पीछे मुझसे भी ज्यादा खूबसूरत लड़की खड़ी है।पर अब मैं ये डायमंड रिंग किसको दूं? तभी लड़की भी झट से बोल पड़ी- लो, अब क्या मैं अपने जानू से मजाक भी नहीं कर सकती क्या !!!

कहानी — बुरे सोच का बुरा नतीजा

बुरे सोच का बुरा नतीजा। एक गांव में दो दोस्त रहते थे। एक दोस्त सब्जी बेचने का काम करता था और दूसरा मिट्टी के बर्तन बनाने वाला कुम्हार था। सब्जी वाला बहुत नेक और अच्छे मन का व्यक्ति था जबकि कुम्हार का मन और स्वभाव ठीक नहीं था। जब कभी सब्जी वाले को ज्यादा मुनाफा मिलता तो कुम्हार मन ही मन जल भुन जाता था। एक बार दोंनो दोस्तों ने यह फैसला किया वे एक ऊंट खरीद लेते हैं ताकि उस पर बैठकर दोनों शहर के बाजार में अपना अपना माल बेच सके। तो दोनों ने मिलकर एक ऊंट खरीद लिया और अगले दिन उसपर बैठकर अपना अपना माल बेचने निकले। सब्जी वाला अपनी सब्जियों का टोकरा लेकर आगे बैठ गया और कुम्हार ने अपने मिट्टी के बर्तनों को ऊँट के एक तरफ लटका कर पीछे बैठ गया। ऊँट धीरे धीरे शहर की तरफ बढ़ने लगा। आधे रास्ते तक पहुंचते पहुंचते ऊंट को भूख लगी , उसे तरह तरह की सब्जियों की खुशबू आ रही थी। उसने अपनी गर्दन घुमाई और सब्जी की टोकरी में से सब्जियां खाने लगा। सब्जी वाले ने अपना नुकसान होते हुए देखा लेकिन भूखे ऊँट को उसने कुछ नहीं कहा। उधर कुम्हार ने जब देखा कि ऊँट सब्जियां खा रहा है तो मन ही मन यह सोचकर बहुत खुश हुआ कि सब्जी वाले का काफी नुकसान हो गया। ऊंट ने थोड़ी सब्जी खाई और वापस चलने लगा। कुम्हार हिसाब लगाने लगा कि आज जब वो अपने मिट्टी के बर्तन बेचेगा तो उसकी खूब कमाई होगी जबकि सब्जी वाले की कमाई कम होगी। खुशी से वो फूला नहीं समा रहा था जबकि सब्जी वाला उदास बैठा था। आखिर शहर की मंडी में पहुंचकर ऊँट को रोका गया। ऊँट धीरे से रुका और जमीन पर बैठकर अपने पीठ पर सवार मालिकों के उतरने का इंत?ार करने लगा। जैसे ही दोनों दोस्त नीचे उतरे तो ऊंट ने एक जोरदार करवट ली और उसकी पीठ के एक तरफ लटके सारे मिट्टी के बर्तन भरभराकर टूट गए। कुम्हार की आँखे फटी की फटी रह गई। उसका एक भी बर्तन साबुत नहीं बचा था। उधर सब्जी वाले की टोकरी में अभी भी काफी सब्जियां बची रह गई थी। नेक सब्जी वाले ने अपनी सब्जियों को अच्छे दामों पर बेच दिया और दोनों वापस ऊँट की पीठ पर सवार होकर गांव लौट आये। कुम्हार की उदासी देखकर सब्जी वाले ने अपनी कमाई में से आधा उसे देते हुए कहा, दोस्त, उदास क्यों होते हो, देखना कल तुम्हें अच्छा मुनाफा मिलेगा। हम मिट्टी के बर्तनों को कल सम्भाल कर ले जाएंगे। अपने दोस्त की नेकदिली देख कर कुम्हार को अपनी सोच पर बहुत पछतावा हुआ।

सीख :- बच्चों इस कहानी से हमें ये सीख मिलती है कि हमें कभी किसी दूसरे के लिए बुरा नहीं सोचना चाहिए वर्ना अपना ही बुरा होता है।

10 अंतर खोजें

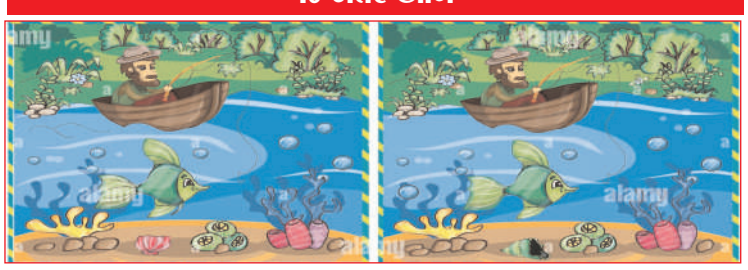

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें, क्योंकि किस्मत खुद बहुत आलसी होती है। आप दूसरों पर कुछ ज्यादा चर्चा कर सकते हैं।

वृषभ — आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।. उधार दिया हुआ पैसा वापस मिल जाएगा। व्यापार में धन लाभ होगा।

मिथुन — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे।. वाहन, मशीनरी या अग्नि के प्रयोग के समय सावधानी बरतें। मानसिक शांति के लिए किसी दान पुण्य के काम में सहभागिता करेंगे।

कर्क — तनाव का तबियत पर खराब असर हो सकता है। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो नुकसान तकरीबन पक्का है।

सिंह — आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज बाहर तेज धूप से परेशान हो सकते हैं। कुछ खास कामों में मन नहीं लगने से आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

कन्या — आज सेहत से जुड़ी परेशानियां असहजता का कारण बन सकती हैं इसलिए सेहत को लेकर लापरवाही ना करें। कार्यस्थल में बदलाव संभव है।

तुला — तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताए। उनके प्यार भरे आलिंगन और मासूम मुस्कुराहट आपकी सभी परेशानियों को खत्म कर देंगे।

वृश्चिक — आज आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आपके रुके हुए काम जल्द ही पूरे हो जायेंगे। आप सकारात्मक विचारों से भरे रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को सीनियर्स से मदद मिल सकती है।

धनु — आज आपको पार्टनर से सहयोग और पैसा मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार में नई योजनाएं बन सकती हैं। सफलता के नए मार्ग प्राप्त होंगे, जिन पर चल कर सफलता प्राप्त कर सकते है।

मकर — आपकी शाम कई जज्बातों से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है। लेकिन ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। निराशाओं के मुकाबले आपको ज्यादा आनंदभर रहेंगे।

कुम्भ — आज सहकर्मी और परिवार के लोग आपकी मदद करेंगे। ऑफिस में आपको कोई अच्छी खबर मिलेगी। बिजनेस के मामलों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

मीन — आज धन के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे। दाम्पत्य जीवन आज एक नया मोड़ लेगा और आपको अपने जीवनसाथी की अहमियत का पता चलेगा। आज शुरू किए गए कार्य अपूर्ण रहेंगे।

छोटा पर्दा | मन की बात

मैं आने वाले समय में खुद को केंद्रीय मंत्री के तौर पर देखना चाहती हूं : गुल पनाग

गुल पनाग की वेब सिरीज गुड बैड गर्ल 14 अक्टूबर को रिलीज हुई है। इसमें उनको एक लॉ फर्म चलाते हुए दिखाया गया है। हाल ही में उन्होंने इस सिरीज में अपने किरदार, कहानी से लेकर रियल लाइफ तक के बारे में बात की और बताया कि इस सिरीज के लिए हां कहने के बाद उन्होंने इसकी स्क्रिप्ट प?ी थी। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वो आने वाले समय में अपने आपको केंद्रीय मंत्री के तौर पर देखना चाहती हैं। मेरे कैरेक्टर का नाम जाइना है, जो एक वकील है। मेरी लॉ फर्म में माया आहूजा काम करती है और ये शो उसके बारे में है। माया एक बैड गर्ल है, पर गुड भी है। मैं शो में उसकी बॉस का रोल प्ले कर रही हूं। अगर घी सीधी उंगली से नहीं निकलता है, तब माया उसे टे?ी उंगली से निकालने वालों में से है। इस चक्कर में वो गलती कर बैठती है, जिससे उसकी नौकरी जाने वाली होती है। वो बोलती है कि उसको कैंसर है। अब वो सच है या नहीं, यो तो शो देखने के बाद ही पता चलेगा। लेकिन उससे एक किस्सा शुरू होता है, जिससे उसको बार-बार एक नई कहानियां बनानी पड़ती हैं। उसमें बहुत हिम्मत है। उसके रास्ते में जो भी रुकावटें आती हैं, वो उसका कैसे भी करके हल निकाल ही लेती है और इससे आगे ब? जाती है। जब मुझे ये शो ऑफर किया गया था, तब मैं वकालत कर रही थी। इस शो में भी मुझे एक वकील का किरदार निभाना था, इसलिए मुझे लगा कि इससे बेहतर और कोई किरदार नहीं हो सकता है। इस वजह से मैंने इसकी कहानी सुनने से पहले ही हां बोल दिया था।

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा ने किसके लिए लिखा-

'प्लीज मुझे मत छोड़ो'

शिल्पा शेट्टी ने करवा चौथ पर किया था पोस्ट

शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा को सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा रहा है। पोर्नोग्राफी केस में जमानत मिलने के एक साल बाद बाद राज कुंद्रा फिर से ट्विटर पर सक्रिय हैं। उन्होंने इस बार हेटर्स को निशाने पर लिया और कहा कि वो सब आजकल कहां गायब हैं। राज कुंद्रा हाल के दिनों में जब भी सार्वनिक रूप से नजर आएं हमेशा अपने चेहरे पर मास्क लगाए दिखे। इस वजह से भी उन्हें ट्रोल किया जाता है कि आखिर वह हमेशा मुंह छुपाए क्यों रहते हैं।

राज कुंद्रा का ट्वीट

राज कुंद्रा जमानत मिलने के बाद काफी समय तक तो सोशल मीडिया से दूर रहे और अब फिर से वह कुछ ना कुछ साझा करते हैं। इस बार बिजनेसमैन ने अपने ट्वीट में लिखा, 'ट्रोल्स, आप सब धीरे-धीरे कहां गायब हो रहे हैं, प्लीज मुझे मत छोड़ो।' इसके आगे उन्होंने फायर का इमोजी बनाया।

अनिल कपूर के घर पहुंचे थे राज कुंद्रा

राज कुंद्रा को इससे पहले करवा चौथ के मौके पर देखा गया था। उन्होंने छलनी से अपना मुंह छुपाया जिसके ऊपर स्च लिखा हुआ था। राज कुंद्रा पपराजी से बचते दिखे और सीधे अनिल कपूर के घर के अंदर चले गए जहां करवा चौथ सेलिब्रेशन चल रहा था। शिल्पा शेट्टी वहां पहले से मौजूद थीं।

करवा चौथ पूजा की रस्मों के बाद शिल्पा ने राज के साथ छत से एक तस्वीर शेयर की जिसे अनिल कपूर ने क्लिक किया। शिल्पा ने कैप्शन में लिखा, 'मेरा... इस पूरी जिंदगी के लिए... करवा चौथ... जब वो आपके लिए भी व्रत रखे।'

भेड़िया का एक्सक्लूसिव पोस्टर रिलीज

जंगल में कांड करने को तैयार हैं वरुण

वरुण धवन की मोस्ट अवेटेड फिल्म भेड़िया का एक्सक्लूसिव पोस्टर रिलीज हो गया है। इस पोस्टर में वरुण का काफी इंटेंस लुक देखने का मिल रहा है। वरुण ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा -अब जंगल में होगा कांड। फिल्म के पोस्टर में वरुण के अलावा कृति सैनन,दीपक डोबरियाल और अभिषेक बनर्जी जैसे एक्टर्स भी दिख रहें हैं। बता दें कि फिल्म 25 नवंबर को रिलीज होगी। वरुण धवन ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का एक्सक्लूसिव पोस्टर शेयर किया है,पोस्टर में वरुण का नेवर सीन अवतार देखने को मिल रहा है। पोस्टर में वरुण जैकेट, टी-शर्ट और जींस पहने किसी पर हमला करने के मूड में नजर आ रहें हैं। पोस्टर में देखा जा सकता है कि वरुण के अगल-बगल कृति सैनन भी हाथ में मसाल लिए नजर आ रहीं हैं। वरुण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- अब होगा जंगल में कांड। बता दें कि इस फिल्म को दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है जबकि अमर कौशिक ने डायरेक्ट किया है। ये एक क्रिचर कॉमेडी फिल्म है जिसमें हैवी VFX का यूज किया गया है। इसके लिए खास ऑस्ट्रेलिया से 7 से 8 VFX विशेषज्ञों की टीम हायर हुई थी। फिल्म थिएटर्स में 25 नवंबर को 2D और 3D में रिलीज होगी। फिल्म में वरुण और कृति के अलावा दीपक डोबरियाल और अभिषेक बनर्जी भी मुख्य भूमिका में हैं।

अजब-गजब | ये हैं दुनिया की अद्भुत अंतरराष्ट्रीय सीमाएं

इन सीमाओं पर न तो दीवार है और न ही लगाए गए हैं कंटीले तार

आमतौर पर किसी भी देश की दूसरे देश से लगने वाली सीमा पर बॉर्डर का निर्धारण करने लिए या तो दीवार लगाई जाती है या फिर कंटीले तार। जिससे दोनों देशों की सीमाएं बंट भी जाती है और एक देश से दूसरे देश में कोई व्यक्ति घुसपैठ भी नहीं कर सकता। लेकिन आज हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके इंटरनेशनल बॉर्डर यानी अंतरराष्ट्रीय सीमाएं ऐसी ही जिन्हें देखकर या उनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। सबसे हैरानी की बात तो ये है कि कुछ देशों ने बॉर्डर तय भी नहीं किए हैं तो वहां के सैनिक हर रोज एक दूसरे से मुलाकात भी करते हैं।

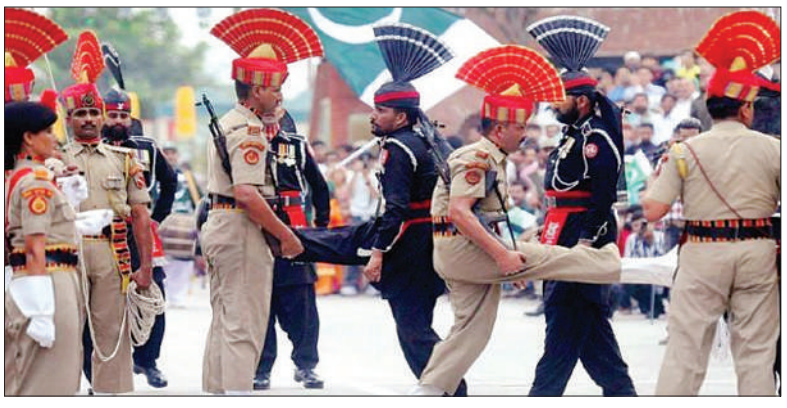

नॉर्वे और स्वीडन: नॉर्वे और स्वीडन दो ऐसे देश हैं जहां आज तक बॉर्डर बनाने के लिए कोई दीवार या कंटीले तार नहीं लगाए गए। यानी आप ये नहीं बता सकते हैं कि कौन सी जमीन नॉर्वे की है और कौन सी स्वीडर की। दोनों देशों का बॉर्डर खुला हुआ है। दाहिनी तरफ स्वीडन है तो बाहिनी तरफ नॉर्वे।

दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया: उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया में भले ही ठनी रहती हो लेकिन इन दोनों देशों के बॉर्डर पर भी आजतक कोई दीवार या कंटीला तार नहीं लगाया गया। हालांकि दोनों देशों के नागरिकों को बिना अनुमति एक दूसरे की सीमा में जाने की इजाजत नहीं है।

ब्राजील, अर्जेंटीना और पैराग्वे: यह बॉर्डर 3 देशो के बीच में है, यह अर्जेंटीना, ब्राज़ील और पैराग्वे को आपस में जोड़ता है। यही भी कोई दीवार या तार नहीं लगाया गया।

जर्मनी और नीदरलैंड: जर्मनी और नीदरलैंड भी दो ऐसे देश हैं जहां बॉर्डन नाम की कोई चीज नहीं है। ना दीवार है और ना ही कंटीले तार।

स्पेन और पुर्तगाल: यह बॉर्डर स्पेन और पुर्तगाल को आपस में जोड़ता है, एक देश से दूसरे देश में जाने में सिर्फ1 मिनट लगता है।

बाघा बॉर्डर, भारत-पाकिस्तान: यह बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच है, यहां रोज शाम को 45 मिनट की परेड होती है। जिसमें दोनों देशों के सिपाही आपस में हाथ मिलाते है और परेड करते हैं।

एक शख्स ने दुष्कर्मियों को चुन-चुन कर उतारा था मौत के घाट

बीते साल बांग्लादेश में पुलिस एक ऐसे अपराधी की तलाश कर रही थी जो लगातार चुन चुनकर ऐसे लोगों को मार रहा था जिन्होंने या तो रेप किया था या फिर उनके ऊपर रेप का आरोप था। सबसे खास बात यह थी कि यह आरोपी हत्या करने के बाद एक नोट छोड़ता था। इस नोट पर उस व्यक्ति का नाम लिखा होता था जिसने रेप किया होता था। इतना ही नहीं उस पर लिखा होता था उसने किस लड़की का रेप किया होता और लिखा होता कि रेप की यही सजा है। 7 जनवरी को बांग्लादेश के आशुलिया जिले में दुखद घटना हुई जब 18 वर्षीय एक लड़की को एक कारखाने में मजदूरी करती थी वो अपने घर में मृत पाई गई थी। बताया जाता है कि स्थानीय पुलिस स्टेशन में उस लड़की ने रेप की शिकायत की थी और उसके बाद ही उसकी हत्या कर दी गई थी। स्थानीय पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, इस मामले में पहचाने गए संदिग्ध का नाम रिपन था। सीरियल किलर हरक्यूलिस ने रिपन में अपना बनाया था और 17 जनवरी को रिपन की लाश मिली थी और उसके गले में एक नोट टंगा हुआ था। मैं एक बलात्कारी हूँ। यह बलात्कार के लिए मेरी सजा है। सावधान रहे। सावधान रहें - **हरक्यूलिस**- इस केस के बाद 14 जनवरी को, मदरसे की एक लड़की के साथ दो लोगों ने रेप किया, जब लड़की अपनी दादी के घर जा रही थी। यह घटना भंडरिया क्षेत्र में फीरोजाबाद जिले में घटित हुई थी। 17 जनवरी को, पीड़ित के पिता ने स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी थी, जिन्होंने बाद में दो लोगों को संभावित संदिग्ध- रकीब और सजल के रूप में पहचाना गया था। इस घटना के अगले पखवाड़े में रकीब का शव मिला था और उस पर भी एक नोट लिखा हुआ था। इस घटना से हरक्यूलिस लोगों की नजरों में आया। स्थानिय पुलिस ने इस दौरान पहली बार माना था कि इस तरह की घटना पहली बार नहीं हुई थी बल्कि बीते दो सप्ताह के दौरान ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जहां उन लोगों को जान से मारा गया है जिनके ऊपर रेप का आरोप था। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि रकीब, जिसको फरवरी में मारा गया था वो लॉ का छात्र था। वहीं मदरसे वाली लड़की के साथ रकीब और उसके दोस्त सजल ने बलात्कार किया था, सजल भी लॉ का छात्र था। शुरूआत में अधिकारियों ने माना कि रकीब की हत्या रिपन के बाद हुई और हरक्यूलिस ने दो शिकार कर लिए हैं, लेकिन वो गलत थे और उन्हें यह समझने में ज्यादा समय नहीं लगा।

अयोध्या में होने वाले दीपोत्सव में सम्मिलित होने वाले पहले पीएम होंगे मोदी

» रामलला का करेंगे दर्शन-पूजन, लोगों से मिलेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीपोत्सव का हिस्सा बनेंगे। पीएम मोदी के अयोध्या के दौरे का संभावित कार्यक्रम भी आ गया। प्रधानमंत्री दीपोत्सव में सम्मिलित होने के साथ-साथ रामलला का दर्शन-पूजन भी करेंगे। वह राममंदिर निर्माण की प्रगति भी देखेंगे। यह पहला अवसर होगा, जब प्रधानमंत्री दीपोत्सव में सम्मिलित होंगे। साथ ही वह दीपोत्सव में सम्मिलित होने वाले पहले प्रधानमंत्री के तौर पर इतिहास के पन्नों में अंकित हो जाएंगे। नगरी के 48 विद्यालयों में एक-एक हजार दीपक जलाए जाएंगे।

बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दूसरा अयोध्या दौरा होगा, जब वह रामनगरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का अंग बनेंगे। इससे पहले वर्ष 2020 में उन्होंने पांच अगस्त को राम मंदिर का भूमिपूजन किया था। सांसद

लल्लू सिंह ने भी सोमवार को यह संकेत दिया था कि प्रधानमंत्री दीपोत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। प्रधानमंत्री करीब तीन घंटे अयोध्या में बिताएंगे। इससे पहले जनवरी 1992 में वह तत्कालीन भाजपाध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी के साथ अयोध्या आए थे और उनके साथ रामलला का दर्शन-पूजन किया था। प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2009, 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां सभा कर चुके हैं। हालांकि, ये तीनों ही दौरे पूरी तरह से राजनीतिक थे।

अयोध्या में एटीएस कमांडो के साथ स्नाइपर भी होंगे तैनात

अयोध्या। अयोध्या में दीपोत्सव पर इस बार अभूतपूर्व प्रबंध देखने को मिलेगा। सुरक्षा के लिए एटीएस कमांडो के साथ स्नाइपर भी तैनात रहेंगे। अतिरिक्त फोर्स की मांग को लेकर पत्र पुलिस मुख्यालय भेजा जा चुका है। परिक्षेत्र के साथ-साथ जोन से भी अतिरिक्त पुलिस कर्मी रामनगरी को उपलब्ध कराए जाएंगे। हालांकि यह मांग पत्र प्रधानमंत्री के आगमन की सूचना से पूर्व भेजा गया है। अब जबकि पीएम के भी दीपोत्सव में आने की संभावना है ऐसे में पुलिस कर्मियों की संख्या में और बढ़ोतरी की कवायद चल रही है। आगामी 23 अक्टूबर को पीएम के अयोध्या आने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए रामनगरी में यातायात व्यवस्था को लेकर भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है। दीपोत्सव के दिन रामनगरी में सामान्य वाहनों का प्रवेश रोका जा सकता है। इसके अतिरिक्त मुख्य मार्ग के साथ-साथ सड़क किनारे पड़ने वाले मकानों पर भी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती रहेगी। भीड़ नियंत्रण के लिए बैरियर के प्रबंध होंगे, जिनके लिए प्वाइंट चिह्नित किये जा रहे हैं।

सपना चौधरी के मामले में सुनवाई फिर टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुरादाबाद में हरियाणा की मशहूर डांसर सपना चौधरी के खिलाफ दर्ज परिवाद में सुनवाई फिर टल गई है। पहले पुलिस के रिपोर्ट दाखिल नहीं करने की वजह से मामले में सुनवाई टली थी। 18 अक्टूबर को मामले में सुनवाई होनी थी। लेकिन मजिस्ट्रेट के अवकाश पर चले जाने की वजह से अब इसमें नवंबर की डेट लगी है।

बता दें कि 11 जून 2019 को मुरादाबाद के रेलवे स्टेडियम में डांसर सपना चौधरी का एक कार्यक्रम हुआ था, जिसमें भीड़ बेकाबू हो गई थी और पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। जिसमें कई लोग घायल हुए थे। यह आयोजन जिला प्रशासन की ओर से किया गया था। शिवसेना के जिला प्रमुख रामेश्वर दयाल तुरैहा ने मुरादाबाद न्यायालय में सपना चौधरी के खिलाफ परिवाद दर्ज कराया था। तुरैहा ने सपना चौधरी पर अश्लील डांस करने का आरोप लगाते हुए सपना के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। तुरैहा का आरोप था कि सपना चौधरी के अश्लील डांस की वजह से ही हालात बेकाबू हुए थे।

डिप्टी सीएम का एक्शन जारी

ठेले पर प्रसव, बृजेश पाठक ने मिर्जापुर सीएमओ को किया तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार तथा कार्य में शिथिलता व लापरवाही के मामले योगी सरकार का एक्शन जारी है। चिकित्सा एवं स्वास्थ विभाग में लापरवाही के मामले में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का एक्शन भी बेहद सख्त है। प्रदेश के मिर्जापुर जिले में नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के गेट पर ठेला पर ही प्रसव कराने का वीडियो वायरल हो रहा था। इस मामले में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात एनम और आशा को निलंबित कर दिया है।

इस मामले को उपमुख्यमंत्री ने संज्ञान में लिया है, जहां सीएमओ से एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है। बृजेश पाठक ने ट्वीट करके कहा कि मिर्जापुर जिले में ठेले पर प्रसव होने संबंधी वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए सीएमओ को उक्त संबंध में अव्यवस्थाओं की जिम्मेदारी तय कर प्रभावी कार्रवाई की रिपोर्ट एक सप्ताह में उपलब्ध कराये जाने को लेकर आदेश दिए गए हैं।

मिर्जापुर के हलिया विकास खंड के महुगढ़ी गांव निवासी विक्रमा अपनी 30 वर्षीय गर्भवती बेटी प्रभावती के पेट में दर्द पर होने पर ठेले पर 14 अक्टूबर की रात्रि आठ बजे के करीब लिटाकर चार किलोमीटर दूर ड्रमडगंज नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर गए। नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात एएनएम के नहीं मिलने पर परिजन तलाश कर रहे थे, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। इसी बीच कुछ ही देर बाद गर्भवती महिला ने अस्पताल के बाहर ही ठेला पर बच्चे को जन्म दे दिया।

विद्यार्थियों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगार के लिए प्रेरित करें : राज्यपाल

» युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के किए जाएं प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्टार्टअप के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, जिससे युवा आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षिक आदान-प्रदान के सार्थक प्रयास किए जाएं। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं में भी शोध कार्य किए जाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने राजभवन में 15 देशों में तैनात भारतीय राजदूतों व उच्चायुक्तों तथा राज्य विश्वविद्यालयों के 11 कुलपतियों के साथ बैठक के दौरान यह बात कही।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय का दायित्व है कि केजी से पीजी तक शैक्षणिक वातावरण बनाएं तथा विश्वविद्यालय परिसर से निकलकर गांव, गरीब व किसान तक विद्यार्थियों के माध्यम से पहुंचकर उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दें। उन्होंने

कहा कि जब नैक के लिए मूल्यांकन होता है तो वहां शोध कार्य अंग्रेजी में ही मान्य होता है। ऐसा नहीं होना चाहिए। क्षेत्रीय भाषाओं में भी शोध कार्य करने के प्रयास किए जाने चाहिए। किसानों की समस्याओं पर भी शोध और उनके निराकरण पर गहनता से विचार किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने सभी राजदूतों-उच्चायुक्तों तथा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से अपील की कि देशों के बीच शैक्षणिक वातावरण तैयार करने के लिए रिसर्च पब्लिकेशन, भाषायी शिक्षा, रिसर्च का आदान-प्रदान, विद्यार्थियों का आदान-प्रदान, छात्रों तथा फैकल्टी का आदान-प्रदान जैसे विषयों पर विचार-विमर्श कर अपने देश की मांग के अनुसार इन क्षेत्रों में आगे बढ़ें। इस मौके पर विभिन्न देशों के राजदूतों ने अपने-अपने देश की शैक्षिक जरूरतों और विशेषताओं के बारे में विचार साझा किये। मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने कहा कि विदेशों में तैनात भारतीय राजदूत और उच्चायुक्त यूपी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में निवेश बढ़ाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। राजदूत और उच्चायुक्त उनके संबंधित देश में यूपी सरकार की निवेश नीतियों को प्रोत्साहित करेंगे तो यूपी में निवेश आएगा इसका सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर होगा।

निकाय चुनाव : मतदाता सूची पुनरीक्षण 31 से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में नगरीय निकाय संस्थाओं के चुनाव के लिए मतदाता सूची पुनरीक्षण 31 अक्टूबर से शुरू किया जाएगा। सूची का अंतिम प्रकाशन 18 नवंबर को होगा। आयोग की ओर से निर्धारित मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के मद्देनजर निकाय चुनाव की तारीख का एलान नवंबर के दूसरे सप्ताह तक हो जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि 31 अक्टूबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। आठ से 12 नवंबर तक उन पर दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएगी। 13 से 17 नवंबर तक उनका निस्तारण किया जाएगा। 18 नवंबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज कुमार ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निकाय चुनाव की मतदाता सूची के पुनरीक्षण में एक भी मतदाता, मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने वीसी के जरिए विभिन्न जिलों के जिलाधिकारियों से मतदाता सूची पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा की।

पप्पू यादव ने महागठबंधन को समर्थन देने का किया ऐलान

» जाप ने भी चला मुकेश सहनी की वीआईपी वाला दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राज्य में विधानसभा की दो सीटों पर तीन नवंबर को होने वाले उप चुनाव के लिए राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की जन अधिकार पार्टी (जाप) ने अपने पत्ते खोल दिए हैं। जाप ने महागठबंधन को समर्थन देने का ऐलान किया है।

जाप के प्रदेश अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि गोपालगंज और मोकामा विधानसभा के उपचुनाव में हमारे कार्यकर्ता महागठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे तथा आम लोगों से भाजपा को रोकने की अपील करेंगे। पिछले दिनों पूर्व मंत्री मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) ने कहा था कि वह उप चुनाव में अपने प्रत्याशी नहीं उतारेगी। उस पार्टी का समर्थन करेगी जो भाजपा को पराजित करे। अब पप्पू यादव की पार्टी ने भाजपा के खिलाफ महागठबंधन का समर्थन की घोषणा की है। मोकामा और गोपालगंज में उप चुनाव होने हैं। जाप के प्रदेश अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि आगामी लोकसभा एवं विधानसभा के आम चुनाव में भाजपा के खिलाफ वोटों के बिखराब को रोकने के लिए महागठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सीटों के तालमेल के लिए पप्पू यादव को अधिकृत किया गया है। कुशवाहा ने कहा पार्टी ने बोधगया में संपन्न मंथन शिविर में यह निर्णय लिया था कि लोकसभा की 11 और विधानसभा के 100 सीटों को चयनित कर इसकी तैयारी की जाएगी। इस दिशा में पहल कर दी गई है। इसी कड़ी में संगठन की मजबूती के लिए पांच नवंबर से जिला कार्यकर्ता सम्मेलन की शुरुआत होगी जो चरणबद्ध तरीके से पूरे बिहार के सभी 40 संगठन जिलों में आयोजित होगी।

पहली बार एक्सपो में भारतीय कंपनियां ही ले रहीं भाग : मोदी

» प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में किया डिफेंस एक्सपो का उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो 2022 का उद्घाटन करते हुए कि प्रदेश व देश का तेजी से विकास हो रहा है। कहीं कोई बांधा है तो दूर की जाएगी, यह हमारी प्राथमिकताओं में है। डिफेंस एक्सपो कार्यक्रम का मकसद भारत की रक्षा उत्पादन क्षमताओं के प्रदर्शन पर केंद्रित रहा। इस मौके पर पीएम ने पूर्वी गुजरात में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास बन रहे एक एयरबेस की आधारशिला रखी।

पीएम ने कहा कि यह देश की सुरक्षा के लिए एक अहम केंद्र बनकर उभरेगा। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो के उद्घाटन के दौरान पीएम ने कहा कि बनासकांठा के दीसा में तैयार हो रहा एयरबेस देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए अहम साबित होगा। पीएम मोदी ने भारत की बढ़ती रक्षा उत्पादन क्षमताओं की तारीफ करते हुए कहा कि ये देश का ऐसा पहला डिफेंस एक्सपो है, जिसमें केवल भारतीय कंपनियां ही भाग ले रही है। केवल मेड इन इंडिया रक्षा उपकरण ही है। उन्होंने कहा कि डिफेंस एक्सपो 22 का ये आयोजन नए भारत की ऐसी भव्य तस्वीर खींच रहा है जिसका संकल्प हमने अमृत काल में लिया है। इसमें राष्ट्र का विकास, युवा की शक्ति, सपने, संकल्प और साहस भी है, इसमें विश्व के लिए उम्मीद भी है। आज अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर वैश्विक व्यापार तक मेरीटाइम सेक्योरिटी एक ग्लोबल प्राथमिकता बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री अपनी यात्रा के दौरान अडालज में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत करेंगे और जूनागढ़ में विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी इंडियन अर्बन हाउसिंग कॉन्क्लेव-2022 का भी उद्घाटन करेंगे और राजकोट में कई अहम परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे और आधारशिला रखेंगे। वह लाइट हाउस परियोजना के तहत निर्मित 1,100 से अधिक घरों को देश को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री राजकोट में एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन करेंगे।

आंध्र प्रदेश पहुंची राहुल की भारत जोड़ो यात्रा

» 23 अक्टूबर को तेलंगाना में करेगी प्रवेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 41वें दिन आंध्र प्रदेश में प्रवेश कर गई। पड़ोसी राज्य कर्नाटक से उनकी यात्रा आंध्र प्रदेश के अलुरु विधानसभा क्षेत्र के हलाहारवि पहुंची। चत्रगुडी में हनमान मंदिर में पूचा अर्चना के बाद राहुल ने अपनी पदयात्रा शुरू की।

राहुल गांधी के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नेता और लोग चल रहे हैं। लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। कुरनूल के कई क्षेत्रों से होते हुए यह यात्रा चागी गांव पहुंचेगी, जहां यात्रा को विराम दिया जाएगा। कन्याकुमारी से सात सितंबर को यात्रा की शुरू हुई थी। यह यात्रा 21 अक्टूबर तक आंध्र प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरेगी। उसके बाद 23 अक्टूबर को तेलंगाना में प्रवेश करेगी। तेलंगाना मामलों के कांग्रेस प्रभारी मणिकम टैगोर ने कहा कि राज्य में भारत जोड़ो यात्रा सात नवंबर तक रहेगी। दिवाली के चलते 24, 25 और 26 अक्टूबर को यात्रा को विश्राम दिया गया है। 27 अक्टूबर को राहुल मक्थाल से फिर पदयात्रा शुरू करेंगे। राहुल गांधी 27 अक्टूबर को मकथल में पैदल मार्च शुरू करेंगे और यात्रा 11 नवंबर को हैदराबाद शहर में प्रवेश करेगी। गांधी उस दिन चारमीनार में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे।

बीजेपी विधायक पर लगे गंभीर आरोप विधायकी पर भी लटकी है तलवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोजपुर। बिहार में बीजेपी के एक विधायक पर गंभीर आरोप लगे हैं। ये आरोप अगर सिद्ध हो जाते हैं तो इस विधायक की विधायकी भी जा सकती है। हम बात कर रहे हैं भोजपुर के बड़हरा से बीजेपी के विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह की। राजद की सरकार में मंत्री रह चुके और कई बार भोजपुर के बड़हरा का प्रतिनिधित्व करने वाले राघवेंद्र प्रताप सिंह पर 2020 के विधानसभा चुनाव के चुनावी हलफनामे में गलत तथ्य देने का आरोप लगा है। बीजेपी विधायक पर ये गंभीर आरोप राजद के पूर्व विधायक सरोज यादव ने लगाए हैं।

राजद विधायक सरोज यादव ने इस मामले में पटना हाईकोर्ट में एक रिट भी दायर की है, जिसमें बीजेपी विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह पर चुनावी हलफनामे में पटना के राजेंद्र नगर और आरा में उनकी कई संपत्ति का जिक्र नहीं किये जाने और साल 2016 तक पटना में सरकारी आवास का उपभोग करने सहित बिजली और टेलीफोन का बिल बकाया रहने के बावजूद हलफनामे में इन बातों का जिक्र ना किये जाने का आरोप लगाया है। पटना हाईकोर्ट में इस केस की सुनवाई 1 नवंबर को है। आरोप है कि बीजेपी विधायक ने अपने हलाफनामे में पिछले 10 सालों में सरकारी आवास का उपभोग न करने की बात कही है जबकि वो साल 2016 तक पटना में सरकारी आवास का उपभोग कर रहे थे और उस सरकारी आवास का बिजली का लगभग ढाई लाख का बिजली का बिल और टेलीफोन का बिल भी उन पर बकाया है लेकिन उन्होंने हलफनामे में इस बात का कोई जिक्र नही किया। सरोज यादव ने इसी आधार पर बीजेपी विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की है।

भाजपा ने जारी की 62 उम्मीदवारों की पहली सूची

» 11 विधायकों के टिकट कटे, सराज से लड़ेंगे जयराम ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 62 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर सहित अन्य कई नेताओं के नाम इसमें शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को मतदान होना है। भाजपा हाईकमान ने दो मंत्रियों के हलके बदल दिए हैं व एक मंत्री का टिकट कटा है। 11 विधायकों के टिकट कटे हैं। सरकार के सबसे वरिष्ठ मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर का नाम सूची से गायब है। हालांकि उनके बेटे को धर्मपुर हलके से टिकट दी गई है।

पार्टी ने जयराम सरकार में दो शक्तिशाली जाने वाले माने जाने वाले मंत्रियों के हलके भी बदल दिए हैं। भाजपा ने शिमला जिले के वरिष्ठ नेता राजधानी से लंबे समय से चुनावी पारी खेलते आ रहे हैं सुरेश भारद्वाज को कुसुम्पटी से प्रत्याशी बनाया है।

इसी तरह से पार्टी के कांगड़ा से नेता और दबंग मंत्री राकेश पठानिया का हलका भी बदल दिया है उन्हें इस बार नूरपुर की बजाय फतेहपुर से चुनावी समर में उतारा है। भाजपा हाईकमान ने 11 सिटिंग विधायकों का टिकट काट दिया है व दो मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्र बदले हैं। एक मंत्री की टिकट काटकर बेटे को दिया गया। पांच महिलाओं को भाजपा ने चुनावी मैदान में प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने एससी वर्ग के 11 और एसटी के आठ प्रत्याशियों को टिकट दिया है। भरमौर, चंबा, जवाली, धर्मशाला, आनी, करसोग, द्रंग, सरकाघाट, भोरंज, बिलासपुर के विधायकों के टिकट कटे हैं।

कांगड़ा और सिरमौर में पुराने चेहरों पर भरोसा

शाहपुर से सरवीण चौधरी, धर्मशाला से राकेश चौधरी, नूरपुर से रणवीर निक्का, जवाली से संजय गुलेरिया, फतेहपुर से राकेश पठानिया, कांगड़ा से पवन काजल और पालमपुर से त्रिलोक कपूर, बैजनाथ से मुल्ख राज प्रेमी, इंदौरा से रीता धीमान, जसवां परागपुर से विक्रम ठाकुर, जयसिंहपुर से रविंद्र धीमान, सुलह से विपिन परमार नगरोटा बगवां से अरुण कुमार मेहरा कूका को प्रत्याशी बनाया है। वहीं जिला सिरमौर की पांच विधान सभा सीटों में से 4 पर पुराने चेहरे, जबकि श्रीरेणुकाजी से इस बार नए चेहरे नारायण सिंह को टिकट दी गई हैं। जिला सिरमौर में पहली बार दो राष्ट्रीय दलों कांग्रेस भाजपा ने पच्छाद से महिला उम्मीदवार घोषित किए हैं।

लखनऊ-कानपुर का सफर अब होगा आसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली-हावड़ा सेक्शन के प्रस्तावित सेमी हाईस्पीड रेल नेटवर्क से लखनऊ भी अगले 10 महीने में जुड़ जाएगा। लखनऊ से कानपुर के बीच 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रेनें दौड़ेंगी। इसके लिए रेलवे ने पहले चरण में पटरियों को अपग्रेड करने का काम पूरा कर लिया है।

हालांकि अब दूसरे चरण का काम दीपावली के बाद शुरू होगा। इस चरण में तीन नए पुल, कर्व को हटाने, तीन स्टेशनों की यार्ड रिमाडलिंग और कैब में दिखने वाले आधुनिक सिगनल सिस्टम पर काम होगा। इसकी टेंडर प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। सितंबर 2023 से पहले लखनऊ कानपुर के बीच सुपरफास्ट ट्रेनें 40 मिनट में पहुंच सकेंगी। तेजस एक्सप्रेस इस समय लखनऊ से कानपुर पहुंचने में 1.10 घंटे और शताब्दी एक्सप्रेस 1:13 घंटे का समय लेती है। लखनऊ से कानपुर के बीच रेल नेटवर्क की दूरी 72 किलोमीटर है।

कन्नौज के मजदूरों के परिजनों को मिलेगा 5-5 लाख का मुआवजा

» सीएम ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिजनों को सहायता राशि देने का दिया निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कश्मीर के शोपियां में टारगेट किलिंग में मारे गए कन्नौज के दोनों मजदूरों के परिजनों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच-पांच लाख रुपये सहायता राशि देने का निर्देश दिया है।

कन्नौज के ठठिया थाना क्षेत्र के दन्नापुरवा निवासी रामसागर (50), मुनेश कुमार (30), मुनेश का भाई रामबाबू, भोला, मोनू, पिंटू और विनय शोपियां में एक बागान में सेबों की पैकेजिंग और लोडिंग करते थे। ये सभी ठेकेदार से हिसाब-किताब कर मंगलवार सुबह करीब चार बजे घर के लिए निकलने वाले थे लेकिन रात करीब साढ़े 12 बजे आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला कर दिया। इससे रामसागर और मुनेश की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के करीब आधा घंटा पहले दोनों ने मंगलवार रात अपने परिजनों से बात की थी और सुबह चार बजे घर के लिए निकलने की सूचना दी थी। ग्रेनेड हमले में दोनों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने दोनों मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा देने का एलान किया है। बता दें कि जम्मू कश्मीर के शोपियां में हुए आतंकी हमले में कन्नौज जिले की तिर्वा तहसील के ठठिया थाना क्षेत्र के दन्नापुरवा गांव निवासी मुनेश (30) गांव के ही रिश्ते के चाचा राम सागर (50) के साथ 28 अगस्त को फर्रुखाबाद के एक ठेकेदार के कहने पर गांव के 30 लोगों के साथ मजदूरी करने के लिए कश्मीर के शोपियां गया था। वहां से सोमवार को 23 लोग घर आ गए थे। बचे हुए सात लोगों को दीपावली पर लौटना था। तभी देर रात करीब 12 बजे आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला बोला। इस हमल में चाचा-भतीजे की मौत हो गई जबकि अन्य मजदूर घायल हो गए। घटना की जानकारी जम्मू कश्मीर प्रशासन की तरफ से जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल को दी गई थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।